

मोटे अनाजों की श्रेणी के अन्न में गिने जाते हैं, जोन्हरी, जुंडी, ज्वार।

मकड़जाल पुं. (देश.) मकड़ी के द्वारा बुना हुआ जाल, दूसरे को फँसाने के लिए बनी योजना, फाँसने की चाल।

मकड़ा पुं. (देश.) आठ पैरों और आठ आँखों वाला एक कीड़ा, बड़ी जाति की मकड़ी, नर मकड़ी, मर्कट दे. मकड़ी।

मकड़ी स्त्री. (देश.) एक कीड़ा, छोटी जाति का मकड़ा, एक कीड़ा जो साफ-सफाई न होने पर कमरों में कोनों या किनारों पर और सामान के चारों ओर बारीक जाल बनाकर पतंगों व मक्खियों आदि को फँसा कर चट कर जाता है।

मकतब पुं. (अर.) 1. पाठशाला, विद्यालय, मदरसा 2. छोटे बच्चों के पढ़ने का स्थान।

मकतल पुं. (अर.) वधशाला, कत्ल करने का स्थान, बूचड़खाना।

मक़ता पुं. (अर.) गज़ल या कसीदे का प्रायः अंतिम शेर जिसमें कवि या शायर का नाम अथवा उपनाम होता है।

मक़ूल वि. (अर.) रेहन, जमानत में दिया हुआ, बंधक रखा हुआ; बीमा किया हुआ।

मक़बरा पुं. (अर.) वह कब्र जिस पर भवन या गुंबद बना हो, जिसके तल में या तल घर में प्रायः मध्य में उस व्यक्ति को दफनाया गया हो, रौजा, मजार, समाधि।

मक़बूल वि. (अर.) 1. जो कबूल या स्वीकार किया गया हो या माना हुआ हो 2. प्रिय, चुना हुआ।

मकरंद पुं. (तत्.) 1. फूल का रस 2. फूलों का केसर, पराग, किंजल्क, माधवी, मंजरी 3. कोयल 4. भ्रमर 5. आम का वृक्ष विशेष जिसमें सुगंध होती है 6. कुंद पुष्प 7. एक छंद विशेष 8. एक ताल।

मकर पुं. (तत्.) 1. एक जलचर, मगर, घड़ियाल मछली, मीन 2. मकर की आकृति का कुंडल/मुद्रा/व्यूह 3. कुबेर की नौ निधियों में से एक 4.

फलित ज्योतिष में एक लग्न, मेष आदि 12 राशियों में दसवीं राशि (मकर संक्रांति से आरंभ होने वाला) सौर माघ मास पुं. (फा.) छल, धोखा, नखरा।

मकरराशि स्त्री. (तत्.) दे. मकर।

मकररेखा स्त्री. (तत्.) पृथ्वी के दक्षिण गोलार्ध के साढ़े तेईस अंश अक्षांश की रेखा।

मकर-संक्रांति स्त्री. (तत्.) सूर्य का धनु राशि से मकर राशि में प्रवेश, उत्तरायण का आरंभ, इस अवसर पर मनाया जाने वाला उत्सव।

मकरा पुं. (तद्.) 1. महुआ नामक अन्न, वटक 2. एक प्रकार का कीड़ा 3. मकर, मछली।

मकराकर पुं. (तत्.) समुद्र, सागर।

मकराकार वि. (तत्.) मगर/घड़ियाल या मछली के सदृश आकृति वाला।

मकराकृत वि. (तत्.) मगर/घड़ियाल या मछली की तरह निर्मित, इनके आकार वाला।

मकराक्ष वि. (तत्.) जिसकी आँखें मछली या मीन के समान हो पुं. रावण का भतीजा और खर का पुत्र जो राम के हाथों मारा गया।

मकराज स्त्री. (देश.) कैंची, कतरनी।

मकरालय पुं. (तत्.) समुद्र, मकरावास।

मकराश्व पुं. (तत्.) 1. वरुण 2. तांत्रिकों का एक प्रकार का आसन जिसमें हाथ और पैर, पीठ की ओर कर लिए जाते हैं।

मकरी पुं. (तद्.) 1. समुद्र, सागर 2. नारी/मादा मगर या घड़ियाल, मीन, मछली।

मकसद पुं. (अर.) उद्देश्य, इच्छा, तात्पर्य, मतलब अभीष्ट, अभिप्राय, आशय।

मकान पुं. (अर.) घर, भवन, निवास-स्थान, रहने की जगह, मूल निवास की जगह।

मकु क्रि.वि. (तद्.) चाहे, इच्छा हो तो, वरन् बल्कि, संभवतः, कदाचित्, शायद, मानो, क्या जाने।

मकुना पुं. (देश.) 1. बिना दाँत का या बहुत छोटे दाँतों वाला (नर हाथी) 2. वह पुरुष जिसकी मूँछें न हों, वि. (देश.) नाटा, ठिगना, सामान्य से कम ऊँचाई वाला, छोटा।